



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 301]

No. 301]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 7, 2005/आषाढ़ 16, 1927

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 7, 2005/ASADHA 16, 1927

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(आई.ई.एस. प्रभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 2005

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(IES DIVISION)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 7th July, 2005

सा.का.नि. 459(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3 के उप-खण्ड (i) में प्रकाशित वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग की 9 अक्टूबर, 2003 की अधिसूचना में भारतीय आर्थिक सेवा (संशोधन) नियमावली, 2003 जिसकी सं. सा.का.नि. 800(अ) है, के पृष्ठ 2 पर अधिसूचना के अंत में प्राधिकारी के नाम तथा पदनाम के पश्चात् निम्नलिखित पाद टिप्पणी को प्रविष्टि कराया जाएगा, नामतः —

“टिप्पणी : मूल नियम सं. सा.का.नि. 1321, दिनांक 1 नवम्बर, 1961 के तहत प्रकाशित किए गए थे। तत्पश्चात् कई संशोधन किए गए तथा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए, अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3 (i) दिनांक 29 अक्टूबर, 2001 को सं. सा.का.नि. 602 के तहत प्रकाशित किया गया।”

[सं. 11015/1/1999-आईईएस]

माला दत्त, निदेशक (आईईएस)

G.S.R. 459(E).—In the notification of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs dated the 9th October, 2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Sub-section (i) of Section 3 at page 2 of Indian Economic Service (Amendment) Rules, 2003 bearing No. G.S.R. 800(E), at page 2, at the end of notification, after name and designation of the authority, the following foot note shall be inserted, namely :—

“Note : The principal rules were published vide No. G.S.R. 1321 dated the 1st November, 1961. Subsequently, number of amendments were made and published in the Gazette of India, and the last of the amendment was published in the Gazette of India, Part II, Section 3(i) dated the 29th October, 2001 vide No. G.S.R. 602.”

[No. 11015/1/1999-IES]

MALA DUTT, Director (IES)